ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–१४
दिनांक– शुक्रवार, १७ फरवरी, २०२३

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 26.8 एवं 9.7 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 99 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 47 प्रतिशत, हवा की औसत गति 1.3 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 1.9 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 6.7 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 14.4 एवं दोपहर में 29.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(18–22 फरवरी, 2023)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 18–22 फरवरी, 2023 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान प्रायः साफ तथा मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है। हलॉकि 21–22 फरवरी के आस पास आसमान में बादल आ सकते है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान में बढ़ोत्तरी के साथ यह 28 से 30 डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान में भी 3–4 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि के साथ 14–16 डिग्री सेल्सियस के बीच बने रह सकता है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 4–6 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से अगले दो दिनों तक मुख्य रूप से पूरवा हवा तथा उसके बाद पछिया हवा का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 85 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 55 से 60 प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- मौसम के शुष्क रहने की संभावना को देखते हुए अगात सरसों की तैयार फसलों की कटाई, झड़ाई एवं सुखाने का कार्य करें। अगात आलू की तैयार फसल की खुदाई करें। खुदाई के 15 दिनों पूर्व सिंचाई बन्द कर दे। आलू की फसल जो कृषक बंधु बीज के लिए रखना चाहते हैं उसकी ऊपरी लत्तर की कटाई कर दें।
- बसन्तकालीन ईख एवं शकरकन्द की रोपाई/ बुआई करें। अक्टुवर–नवम्बर महीनों मे रोपी गई ईख की फसल में हल्की सिंचाई करे।
- केला की सूखी एवं रोगग्रस्त पत्तियों को काटकर खेत से बाहर करें। प्रति केला 200 ग्राम युरिया, 200 ग्राम म्युरेट ऑफ पोटाष एवं 100 ग्राम सिंगल सुपर फॉस्फेट का प्रयोग करे।
- मटर में फली छेदक कीट की निगरानी करें। इस कीट के पिल्लू फलियों में जालीनूमा आवरण बनाकर उसके नीचे फलियों में प्रवेश कर अन्दर ही अन्दर मटर के दानो को खाती रहती हैं। एक पिल्लू एक से अधिक फलियों को नष्ट करता है। अक्रान्त फलियॉ खाने योग्य नही रह जाती, जिससे उपज में अत्यधिक कमी आती है। कीट प्रबन्धन हेतु प्रकाश फंदा का उपयोग करें। 15–20 टी आकार का पंछी बैठका (वर्ड पर्चर) प्रति हेक्टर लगावे। अधिक नुकसान होने पर क्वीनालफास 25 ई0 सी0 या नोवाल्युरॉन 10 ई0 सी0 का 1 मि0 ली0 प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर फसल पर छिड़काव करें।
- गरमा सब्जियों जैसे–भिन्डी, कद्दू, कदिमा, करेला, खीरा एवं नेनुआँ की बुआई के लिए मौसम अनुकुल है। भिंडी के लिए परभनी क्रान्ति, अर्का अभय, अर्का अनामिका, वर्षा उपहार, के0एस0–312 लौकी के लिए राजेन्द्र चमत्कार, पूसा समर प्रौलिफिक लॉंग, पूसा समर प्रौलिफिक राउंड नेनुआ के लिए राजेन्द्र नेनुआ–1, पूसा चिकनी पूसा प्रिया, कल्याणपुर चिकनी करेला के लिए पूसा दो मौसमी, पूसा विशेष, कोयम्बटूर लॉंग, पंत करेला और कल्याणपुर बारहमासी अनुशंसित किस्में हैं। बीज की खरीदारी प्रमाणित स्त्रोत से करें। स्वस्थ फसल के लिए बीज को सदैव उपचारित कर बुआई करें। बुआई से पूर्व मिट्टी में प्रयाप्त नमी की जॉंच अवष्य कर लें। नमी के अभाव में बीजो का अंकुरण प्रभावित हो सकता है।
- इस मौसम में सब्जियों वाली फसल में लाही कीट का प्रकोप की संभावना रहती है, यदि कीटों की संख्या अधिक हो तो इम्डिाक्लोप्रिड दवा का 1.0 मी.ली. प्रति 3 लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें।
- इस समय आम में मंजर आ रहा है। जो किसान भाई आम में अभी तक कीटनाषक दवा का छिड़काव नहीं किए हैं, वे इमिडाक्लोरप्रिड (17.8 एस0एल0) दवा 1 मिलीलीटर प्रति 2 लीटर पानी की दर से और घुलनषील गंधक चूर्ण फफूंदनाषक दवा (80 डब्लू0पी0) 2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें। इससे आम के पेड़ में मधुआ कीट एवं चूर्णित आसिता (पाउडरी मिलडीउ) रोग की उग्रता में कमी आती है।
- रवी मक्का की धनबाल व मोचा निकलने से दाना बनने की अवस्था वाली फसल में प्रयाप्त नमी बनाए रखें।
- किसान भाई गरमा मक्का की बुआई के लिए वैसी निचली भूमि का चयन करें जहॉं सिंचाई की सुविधा सुनिष्चित हों। गरमा मक्का की बुआई करें। जुताई से पूर्व खेतों में प्रति हेक्टेयर 10–15 टन गोबर की खाद, 50 किलोग्राम नेत्रजन, 40 किलोग्राम स्फुर एवं 30 किलोग्राम पोटास का व्यवहार करें। बुआई के लिए सुवान, देवकी, गंगा 11, शक्तिमान 1,2,3,4 एवं शक्तिमान 5 किस्में अनुशंसित है। बीज दर 20 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। प्रति किलोग्राम बीज को 2.5 ग्राम थीरम या कैप्टाफ द्वारा उपचारित कर बुआई करें। बुआई से पूर्व मिट्टी में प्रयाप्त नमी की जॉंच अवष्य कर लें।
- अगात बोयी गई गेहूँ की दाना बनने से दुध भरने की अवस्था वाली फसल में प्रयाप्त नमी का विशेष ध्यान रखें। इस अवस्था में नमी की कमी रहने से उपज में कमी आती है।
- चारा के लिए ज्वार, मकई और बाजरे की बुआई करे। चारे की लगी हुई फसलें जैसे–जई, बरसीम एवं लूसर्न की कटाई 25–30 दिनों के अन्तर पर करें। प्रत्येक कटनी के बाद खेतों में 10 किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टर की दर से उपरिवेषन करें।

आज का अधिकतम तापमानः 27.8 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.8 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 10.8 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.2 डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी (कृषि मौसम)

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी (कृषि मौसम)